RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई, मंगलवार 09 सितम्बर 2025 वर्ष 07 अंक 142 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

रिश्वत कांड में फंसे कर्मचारियों को फिर क्या मिलेगी जिम्मेदारी !

Page - 2

मीरारोड : धार्मिक तनाव पैदा करने वाले बिल्डरों के लाइसेंस रद्द करने के निर्देश...

मीरारोड : व्यवसाय की वृद्धि के चक्कर में समाज की मूलभूत मान्यताओं को पैरों तले कुचलते हुए, धार्मिक तनाव पैदा करने वाली और धर्मांध स्वरूप के विज्ञापनों के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना यह गंभीर अपराध है। ऐसे बिल्डरों पर कठोर कार्रवाई कर उनके निर्माण लाइसेंस पर रोक लगाई जाए, ऐसे स्पष्ट निर्देश महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दिए हैं। मीरा भायंदर मनपा के नगररचना विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार घोड़बंदर स्थित सर्वे क्र. 26/2, 3 और 27/10 की जमीन पर बने फ्लैट्स की बिक्री के लिए एक बिल्डर ने ऐसा विज्ञापन जारी किया है, जिससे दो धर्मों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। इस निंदनीय कृत्य की गंभीरता देखते हुए परिवहन मंत्री सरनाईक ने मनपा प्रशासन को तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इसके तहत मनपा प्रशासन ने डेवलपर संबंधित से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है और स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने पर उनका निर्माण लाइसेंस रद्द करने की कठोर कार्रवाई करने की जानकारी प्रताप सरनाईक ने दी है।

फर्जी टेरर कॉल का आतंक !

छह महीने में दो दर्जन से ज्यादा फर्जी धमकियां...

मुंबई : मुंबई पर इन दिनों फर्जी टेरर कॉल का आतंक छाया हुआ है। कभी एयरपोर्ट तो कभी पुलिस मुख्यालय तो कभी अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकियां बराबर मिल रही हैं। हद तो तब हो गई जब गणेश उत्सव के दौरान ४०० किलो आरडीएक्स से मुंबई को दहला देने की धमकी मिली। पुलिस ने अभी इस फर्जी डरावना मैसेज करने वाले को गिरफ्तार किया ही था कि एक और ईमेल द्वारा अस्पताल और डोमेस्टिक एयरपोर्ट को बम से उड़ा देने की धमकी मिली। पिछले छह महीने में दो दर्जन से ज्यादा बार इस तरह की फर्जी धमकियां दी जा चुकी हैं।

बता दें कि शनिवार रात मुंबई सेंट्रल स्थित नायर अस्पताल के डीन को मेल भेजकर उसे उड़ाने की दी गई धमकी। साथ ही छत्रपति शिवाजी महाराज डोमेस्टिक एयरपोर्ट

में ब्लास्ट करने का थ्रेट मिला। आनन-फानन में एटीएस और बम स्क्वाड की टीम दोनों जगहों पर पहुंची। छानबीन में पता चला कि दोनों धमकी फर्जी है। बता दें कि पिछले ६ महीने में इस तरह के २ दर्जन से ज्यादा हॉक्स कॉल ने पूरे शहर को आतंकित करके रख दिया है। पाकिस्तानी आतंकी संगठन द्वारा आरडीएक्स से मुंबई में धमाके करने वाले फर्जी मामले में हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। नोएडा से गिरफ्तार आरोपी अश्विन कुमार सुपरा को मुंबई लाकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह बिहार का रहने वाला है और ज्योतिष है। उसने अपने जानने वाले फिरोज नाम के शख्स को आतंकवाद में फंसाने के लिए धमकी दी थी। अश्विन के मुताबिक, उसका फिरोज के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद था। फिरोज ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके चलते उसे तीन महीने की जेल हुई थी। उसी का बदला लेने के मकसद से उसने फिरोज की तस्वीर को नए सिम के व्हॉट्सएप स्टेटस लगाकर पाकिस्तानी आतंकवादी मामले में फंसाने के लिए साजिश रची। पुलिस ने आरोपी अश्विन के पास से कई मोबाइल और सिम बरामद किए हैं। इसी तरह पिछले सोमवार को कलवा रेलवे स्टेशन में बम धमाका करने का मैसेज मिला था। इस मामले में एक ४३ वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था।

अगस्त महीने में गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को भी बम से उड़ाने का फर्जी मेल आया था। तीन महीने पहले एक सिरफिरे व्यक्ति ने पुलिस मुख्यालय बम से उड़ाने की धमकी इसलिए दी, क्योंकि पुलिस स्टेशन में उसकी शिकायत नहीं ली गई थी। पुलिस ने उसे विक्रोली से गिरफ्तार किया था।

ठाणे : अवैध बैनरबाजी पर बढ़ा नागरिकों का आक्रोश...

मुख्यमंत्री से कड़ी कार्रवाई की मांग !

ठाणे : ठाणे शहर में हर सप्ताह जन्मदिन, जयंती, अभिनंदन स्वागत के नाम पर जगह-जगह लगने वाले अवैध बैनरों से शहर का सौंदर्य विद्रूप हो गया है। करोड़ों रुपए खर्च कर महानगर पालिका ने चौक, रस्ते, डिवाइडर और वृक्षारोपण से शहर को सजाने का प्रयत्न किया, लेकिन अवैध बैनरों ने यह सारा सौंदर्य नष्ट कर दिया है। नागरिकों का आरोप है कि महापालिका केवल औपचारिक कार्रवाई करती है, जबकि कुछ ही घंटों में वहीं नए बैनर फिर टांग दिए जाते हैं। खासकर बड़े राजनीतिक नेताओं के जन्मदिन पर आठ से पंद्रह दिन तक पूरा शहर बैनरों से ढक जाता है और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। बता दें कि नागरिकों का कहना है

कि करदाताओं के पैसे से किए गए सुशोभीकरण की थट्टा उड़ाई जा रही है, ठाणे की छवि खराब हो रही है और महानगर पालिका जानबूझकर आंख मूंदे बैठी है। फ्लेक्स बैनरों से निकला कचरा नालियों को जाम करता है, जलाने पर जहरीला धुआं निकलता है और यह प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा साबित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में वरिष्ठ पत्रकार और पर्यावरण अभ्यासक डॉ. प्रशांत रेखा रविंद्र सिनकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि बेकायदेशीर बैनरबाजी पर कठोर नीति लागू की जाए, किसी भी राजनीतिक दबाव को दरकिनार कर बैनर लगाने वालों पर अपराध दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई हो, चौक-चौराहों पर विशेष पथक और निगरानी कैमरे लगाए जाएं तथा नागरिकों को शिकायत करने के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया जाए। ठाणेकरों का कहना है कि उनकी सहनशक्ति अब जवाब दे चुकी है और यदि सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए तो शहर की सुंदरता और पर्यावरण दोनों पर गंभीर संकट मंडराएगा।

वसई : कई वर्षों से लंबी बीमारियों से पीड़ित 80 वर्षीय व्यक्ति ने पत्नी का गला रेत दिया,

खुद की जान लेने की भी की कोशिश...

वसई : पालघर जिले के वसई में एक 80 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी का गला रेत दिया और फिर उसी हथियार से खुद की जान लेने की कोशिश की, पुलिस ने रविवार को कहा। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पति और पत्नी दोनों कई वर्षों से लंबी बीमारियों से पीड़ित थे। वे अपने बेटे और बहू के साथ रहते थे। घटना की रात, जब बेटा और बहू बाहर निकले, तो बुजुर्ग दंपति ने अपनी जान देने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी बीमारियों से उनके परिवार को परेशानी हो रही है, जैसा कि रिपोर्ट किया गया है। पति ने अपनी पत्नी का गला रेतकर उस पर हमला किया और फिर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों को तुरंत इलाज के लिए

अस्पताल ले जाया गया। पति बच गया और वर्तमान में उसका इलाज चल रहा है।

पत्नी की हालत का खुलासा नहीं किया गया है, जैसा कि बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की आगे जांच कर रही है। वसई की एक अन्य घटना में, एक 32 वर्षीय व्यक्ति को सोमवार तड़के तीन अज्ञात लोगों ने चाकू मार दिया और लूट लिया पुलिस ने बताया कि पीड़ित, नालासोपारा (पूर्व) निवासी धनंजय कुलेकर यादव, तड़के करीब ढाई बजे अचोले स्थित साईं कृपा बिल्डिंग के पास टहल रहे थे, तभी यह हमला हुआ। शिकायत के अनुसार, तीन हमलावर नीले रंग के स्कूटर पर आए, यादव को रोका और गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने जबरन उनकी जेब से 5,000 रुपये का रेडमी मोबाइल फोन (एयरटेल सिम कार्ड सहित) और 3,000 रुपये नकद छीन लिए। जब यादव ने विरोध करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने कथित तौर पर उन्हें लात-घूंसों से पीटा, जिसके बाद उनमें से एक ने उनके पेट, छाती और पीठ पर धारदार चाकू से वार कर दिया। हमलावर चोरी का सामान लेकर मौके से फरार हो गए।

संपादकीय...

औपनिवेशिक प्रपंच की निरंतरता...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत को विभाजित करने की औपनिवेशिक टूलकिट आज भी कई रूपों में सक्रिय है। इसकी झलक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो के हालिया विषवमन में मिलती है। यूक्रेन-रूस सैन्य संघर्ष को 'मोदी का युद्ध' बताने वाले नवारो ने भारत द्वारा सस्ती दरों पर रूस से की जा रही तेल खरीद पर कहा कि इससे ब्राह्मणों को ही लाभ मिल रहा है। यह कोई आकस्मिक प्रतिक्रिया या अमेरिकी संदर्भ में दिया वक्तव्य नहीं है। यह उसी विषबेल की ही कोपल है, जिसकी जड़ें देश के भीतर पहले से ही रोपी जा चुकी हैं, जहां एक राजनीतिक समूह विकृत नैरेटिव गढ़कर दलितों-वंचितों को शेष हिंदू समाज के विरुद्ध खड़ा करने और मुसलमानों को मजहब के नाम पर एकजुट रखने का प्रपंच दशकों से रच रहा है।

सच तो यह है कि भारत को कई टुकड़ों में विभाजित करने की विकृत आकांक्षा विदेशी शक्तियों की चिरस्थायी कुंठा रही है। उनके निशाने पर केवल ब्राह्मण नहीं, अपितु संपूर्ण हिंदू समाज है। ब्राह्मणों का दानवीकरण कोई संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित षड्यंत्र है। ब्राह्मणों के प्रति घृणा की जड़ें हमें सीधे 16वीं शताब्दी और उसके उपरांत गढ़े गए कुटिल प्रपंचों में दिखाई देती हैं। जब 16वीं शताब्दी में भारत के दक्षिणी हिस्से में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर का आगमन हुआ, तब उसने ब्राह्मणों को ईसाई मतांतरण के मार्ग का सबसे बड़ा अवरोधक माना। जेवियर ने 31 दिसंबर 1543 को 'दू द सोसायटी एट रोम' को पत्र लिखकर कहा, ''यदि ब्राह्मण विरोध न करें, तो हम यहां सबको मसीह के चरणों में ले आएं... इतने वर्षों में मैंने केवल एक ब्राह्मण का ही मतांतरण किया है।'' इसके बाद जेवियर ने 'गोवा इंक्विजीशन' का रक्तरंजित अभियान चलाया। इसमें केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि वे सीरियाई ईसाई भी शिकार बने, जो कैथोलिक रोमन चर्च के बजाय अपनी प्राचीन उपासना-पद्धति का पालन कर रहे थे। चर्च की दृष्टि में यह इतना बड़ा 'अपराध' था कि ऐसे लोगों की जीभ काट दी गई, तो जीवित रहते उनकी चमड़ी तक उधेड़ ली गई। जेवियर के बाद 17वीं शताब्दी में राबर्ट डी नोबिली नामक अन्य जेसुइट मिशनरी भारत आया। ब्राह्मणों की जनसम्मानित प्रतिष्ठा देखकर उन्होंने साधु-संन्यासी का वेश धारण किया और स्वयं को 'व्हाइट ब्राह्मण' बताने लगा। मतांतरण की इस युक्ति को लेकर रोम में काफी विवाद भी हुआ। जब वर्ष 1757 में राबर्ट क्लाइव ने प्लासी युद्ध में निर्णायक जीत के साथ भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखी, तब कालांतर में इस मजहबी षड्यंत्र को गति मिली। 1813 में ईस्ट इंडिया कंपनी के चार्टर में अंग्रेजों ने विवादास्पद अनुच्छेद जोड़कर न केवल अपने पादरियों और मिशनरियों के लिए भारतीयों के मतांतरण का मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि उन्हें हर प्रकार के आधिकारिक सहयोग का भी आश्वासन दिया।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

रिश्वत कांड में फंसे कर्मचारियों को फिर क्या मिलेगी जिम्मेदारी !

महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल ?

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में एक बार फिर गंभीर चर्चा छिड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, जिन कर्मचारियों को पूर्व में रिश्वतखोरी मामलों में पकड़ा गया था, उन्हीं को अब पुनः प्रभाग समितियों की जिम्मेदारी सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ कर्मचारियों को जल्द ही प्रभाग सहायक आयुक्त का पद दिया जा सकता है। नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि यह कदम मनपा प्रशासन की पारदर्शिता और विश्वसनीयता दोनों पर सवाल खड़े करता है। भ्रष्टाचार में पकड़े गए कर्मचारियों को दोबारा जिम्मेदारी सौंपना ईमानदार कर्मचारियों के साथ अन्याय है। नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब एक ओर न्यायालय और आयुक्त स्तर से अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के आदेश दिए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं कर्मचारियों को फिर से महत्वपूर्ण पद पर बैठाना व्यवस्था को संदेह के घेरे में डालता है।

भिवंडी में अवैध इमारतों और नियमों की अनदेखी लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। प्रभाग सहायक आयुक्त का पद सीधे तौर पर अवैध बांधकाम और उससे जुड़ी वसूली पर नियंत्रण रखता है। ऐसे में यदि रिश्वत कांड में फंसे कर्मचारियों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई तो अवैध निर्माण को और बढ़ावा मिलना तय माना जा रहा है। पूर्व में एसीबी ने मनपा के कई कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। इसके बावजूद उन्हीं पर दोबारा भरोसा जताना कहीं न कहीं पुराने खेल को नया संरक्षण देने जैसा माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जिन कर्मचारियों पर रिश्वत और भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनकी पूरी जांच कराई जाए और दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जिम्मेदारी उन्हीं लोगों को दी जानी चाहिए जिनकी छवि साफ और कार्यप्रणाली पारदर्शी हो।

रायपुर : ई-कार्ड को खोलने की कोशिश... बीमा सलाहकर को ठगों ने निशाना बनाया;

४.८० लाख रुपयों की ठगी!

रायपुर : देश में रोजाना ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आते हैं। ठग ऑनलाइन लोगों से लाखों-करोड़ों की ठगी करते हैं। ठगी का एक ऐसा ही मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सामने आया है। रायपुर में एक बीमा सलाहकर को ठगों ने निशाना बना लिया और उसने ४.८० लाख रुपयों की ठगी कर ली। बीमा सलाहकार ने अपने साथ हुई ऑनलाइन ठगी की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। बीमा सलाहकार का नाम देवेंद्र सिंह रिसम है। उनकी उम्र ५७ साल है। देवेंद्र सिंह रिसम राजेंद्र नगर के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, देवेंद्र को व्हॉट्सएप पर शादी का निमंत्रण आया था। उन्होंने उस ई-कार्ड को खोलने की कोशिश की। इसके बाद देवेंद्र का मोबाइल फोन हैक हो गया। अचानक से मोबाइल फोन ब्लिंक करने लगा। फिर खाते से पैसे निकलने के मैसेज आने लगे। देवेंद्र मैसेजेस देखकर हड़बड़ा गए। फिर वो तुरंत बैंक गए और अपना अकाउंट ब्लॉक कराया। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, देवेंद्र को १९ अगस्त को व्हॉट्सऐप पर एक ई-कार्ड आया। नीचे विवाह का न्योता था।

अलग-अलग किस्त में निकले पैसे

देवेंद्र ने सोचा कि वो किसी की शादी का निमंत्रण कार्ड है। उन्होंने उसे खोलने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने कार्ड को टच किया, वैसे ही उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और मोबाइल फोन ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद ब्लिंक होने लगा। फिर अलग-अलग किस्त में उनके अकाउंट से पैसे निकलने शुरू हो गए। देवेंद्र ने मोबाइल फोन बंद करके फिर से चालू किया। इसके बाद देवेंद्र बैंक गए और तमाम ट्रांजेक्शन की जानकारी निकाली।

मुंबई : फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाया... मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मुंबई : फर्जी पासपोर्ट के सहारे विदेश भागे एक आरोपित को पुलिस ने दो साल बाद मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बैंकाक से लौटते समय आरोपित जैसे ही छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, मुंबई पहुंचा, एयरपोर्ट प्रशासन ने उसे रोककर एसपी संतकबीरनगर को सूचना दी। इसके बाद यहां से पुलिस टीम मुंबई भेजी गई। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ट्रांजिट रिमांड पर आरोपित को पुलिस खलीलाबाद लेकर आई।

एसपी संदीप कुमार मीना ने बताया कि दो साल पहले उसने फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाया था। पकड़े गए आरोपित ने चन्दू पुत्र शंकर, निवासी नेहरू चौक, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर के नाम से पासपोर्ट धारक बताया गया था। लेकिन जांच में सामने आया कि उसका वास्तविक नाम सुमन्त पुत्र दुलारे, निवासी शनिचरा पट्टी दूबे, पोस्ट ददरी, थाना बड़हलगंज, जनपद गोरखपुर है। इस तरह आरोपित ने गलत पहचान और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनवाया और वर्ष 2023 में बैंकाक चला गया था। उस समय मामले की जांच में फजीर्वाड़ा उजागर होने पर उसके विरुद्ध लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था।

ट्रांजिट रिमांड पर लाकर न्यायालय में पेश किया गया

चार सितंबर की रात करीब 2:30 बजे जब आरोपित बैंकाक से लौटकर मुंबई एयरपोर्ट पहुंचा, तो एयरपोर्ट प्रशासन ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया और एसपी संदीप कुमार मीना को सूचना दी। इसके बाद कोतवाली खलीलाबाद से उप निरीक्षक अनिल कुमार यादव व आरक्षी सुनील कुमार पाल की टीम मुंबई भेजी गई।

पुलिस टीम ने मुंबई की अदालत से ट्रांजिट रिमांड हासिल किया और फिर आरोपित को खलीलाबाद लाया गया। आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपित के पास से फर्जी पासपोर्ट भी बरामद हुआ है।

भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर शिवसेना (UBT) ने लिया संकल्प - 'अधिकतम नगरसेवकों को जिताकर भेजेंगे'

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) की शहर जिला शाखा भिवंडी में रविवार को महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी पैनल प्रमुख, उपपैनल प्रमुख व उपशहर प्रमुख बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मार्गदर्शन बैठक की अध्यक्षता शिवसेना उपनेते विश्वासजी थळे, उपनेत्या ज्योतीताई ठाकरे, लोकसभा सहसंपर्क प्रमुख डॉ. सोन्या पाटील, जिल्हा प्रमुख मनोज गगे, शहर जिल्हा संपर्क प्रमुख किशोर पोद्दार, शहर प्रमुख प्रसाद पाटील, महानगर प्रमुख अरुण पाटील, जिल्हा संघटिका वैशालीताई मेस्त्री, जिल्हा सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी तथा शहर समन्वयक नाना जळके आदि मान्यवरों ने की। बैठक में आगामी महानगरपालिका चुनाव को लेकर पोलिंग एजेंट, बूथ प्रमुख व बीएलए की भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया। सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) के अधिक से अधिक नगरसेवक जीताकर भेजे जाएंगे। इस अवसर पर एक बड़ी राजनीतिक एंट्री भी देखने को मिली। ब्लॉक काग्रेस युवा अध्यक्ष फैय्याज अन्सारी ने अपने बहुसंख्य कार्यकताओं सहित शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) में प्रवेश किया। उनके प्रवेश का स्वागत मान्यवर नेताओं के हस्ते हुआ। मुस्लिम समाज शिवसेना के साथ है, यह विश्वास मुस्लिम शिवसेना पदाधिकारियों ने बैठक में दोहराया।

कार्यक्रम में उपशहर प्रमुख संतोष भावार्थी, भाई वनगे, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर, व्यापारी संघटना अध्यक्ष मनीष बंटी गिरी, कामगार सेना अध्यक्ष नजीर शेख, जमालुद्दीन मोमीन, अल्पसंख्यांक अध्यक्ष नईम अन्सारी, मुजमिल खान, तारीक काजी सहित अनेक शिवसैनिक व पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह बैठक आगामी महानगरपालिका चुनाव में शिवसेना की रणनीति तय करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भिवंडी शहर में त्योहारों की आड़ में 'दना-दन' अवैध इमारतों पर लगे स्लैब, 150 से अधिक निमार्णाधीन इमारतें !

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण का धंधा इन दिनों चरम पर है। हाईकोर्ट और मनपा आयुक्त के सख्त आदेशों के बावजूद प्रभाग अधिकारियों और बीट निरीक्षकों की मिलीभगत से शहर में खुलेआम अवैध इमारतों पर स्लैब डाले जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में करीब 150 इमारतें अवैध रूप से निमार्णाधीन हैं और सिर्फ पिछले दस दिनों में ही दर्जनों इमारतों पर 'दना-दन' स्लैब मार दिए गए।आयुक्त अनमोल सागर ने अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक प्रभाग समिति में दो बीट निरीक्षकों की नियुक्ति की थी.लेकिन इन निरीक्षकों ने इलाके को आपस में बांटकर बिल्डरों से वसूली का खेल शुरू कर दिया। तय रकम चुकाने के बाद बिल्डरों को निर्माण की खुली छूट दे दी जाती है।

सूत्रों का कहना है कि प्रत्येक स्लैब पर फुट के हिसाब से दरें तय होती हैं। रकम पहुँचाने की जिम्मेदारी स्थानीय पूर्व नगरसेवक और निजी इंजीनियरों पर होती है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले दस दिनों में प्रभाग समिति क्रमांक 1 में 10, प्रभाग समिति 2 में 12, प्रभाग समिति 3 में 10, प्रभाग समिति 4 में 9 और प्रभाग समिति 5 में करीब 6 इमारतों का स्लैब डाला गया। खास बात यह है कि ये स्लैब शनिवार-रविवार या त्योहारों के दिन ही डाले जाते हैं ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। अवैध निर्माण का यह खेल नया नहीं है। पहले भी कई अधिकारी और कर्मचारी बिल्डरों से उगाही करते हुए ए.सी.बी. की गिरफ्त में आ चुके हैं। अब भी आरोप है कि सहायक आयुक्त मोटी रकम लेकर इमारत पूरी होने के बाद ही डीपीएल पूरा करते हैं। सूत्रों का दावा है कि सहायक आयुक्त का पद पाने के लिए लाखों रुपये की रिश्वत दी जाती है और हर महीने अधिकारियों का ''रिचार्ज'' किया जाता है। भिवंडी के नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब न्यायालय और आयुक्त के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर आखिर कार्रवाई होगी।

भिवंडी : मुंबई-नाशिक राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में बाप- बेटी की दर्दनाक मौत !

भिवंडी : मुंबई-नासिक राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में पिता और पुत्री की मृत्यु हो गई। भिवंडी तालुका के दोहले गांव में देवदर्शन से घर लौटते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाईक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें सरलम्बे तालुका शाहपुर निवासी राजेश अधिकारी (39) और वेदिका अधिकारी (11) की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, राजेश अधिकारी अपनी बेटी वेदिका के साथ दोपहर में गणपति दर्शन के लिए दोपहिया वाहन पर भिवंडी तालुका के सापे गांव में रिश्तेदारों से मिलने आए थे। दर्शन के बाद शाम को शाहपुर तालुका के सरलम्बे में अपने घर लौटते समय, तालुका के डोहले गांव में साईधाम लॉजिस्टिक्स के सामने शाहपुर की ओर जाते समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से पिता की असामयिक मौत हो गई। इस दुर्घटना की खबर मिलने के बाद गणेशोत्सव के दौरान शाहपुर तालुका के सरलम्बे गांव में मातम पसर गया है। इस दुर्घटना में स्थानीय लोगों की मदद से पडघा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पडघा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भेज दिया है।

मुंबई :23 अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालयों की मान्यता रद्द...

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने धनगर समुदाय के छात्रों के लिए चलाए जा रहे 23 अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी है। यह कदम कथित अनियमितताओं के सामने आने के बाद उठाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से 20 विद्यालय जालना जिले में, दो बीड में और एक छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित हैं। इन स्कूलों की शुरूआत वर्ष 2024 में राजे यशवंतराव होल्कर अंग्रेजी माध्यम आवासीय शिक्षा योजना के तहत हुई थी। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को निशुल्क आवास, भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना था। शुरूआत में 5,500 छात्रों को इसमें दाखिला दिया गया था और लक्ष्य हर साल 10,000 नए छात्रों को जोड़ने का रखा गया था।

लेकिन विभागीय कर्मचारियों द्वारा 11 से 14 जुलाई के बीच किए गए निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारी ने बताया कि कई विद्यालयों ने सरकारी अनुदान लेने के बावजूद छात्रों को न तो उचित आवास दिया और न ही भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं। यह मामला तब उजागर हुआ जब अंबड के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश काले और सोमनाथ काले ने विभाग के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए एक सितंबर को 23 स्कूलों की मान्यता रद्द करने का आदेश जारी किया। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रभावित विद्यार्थियों को शिक्षा से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्हें नजदीकी अन्य मान्यता प्राप्त स्कूलों में समायोजित किया जाएगा ताकि उनकी पढ़ाई बाधित न हो। यह फैसला जहां शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अहम माना जा रहा है, वहीं हजारों छात्रों और उनके अभिभावकों में इसे लेकर चिंता भी बढ़ गई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार प्रभावित बच्चों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कब और कैसे करती है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को निशुल्क आवास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना था, लेकिन हकीकत में कई जगह केवल कागजों पर स्कूल और छात्र दिखाकर सरकारी धन की बंदरबांट की जा रही थी।

भिवंडी शहर में युवक पर हमला, जबड़ा टूटा - पुलिस ने किया मामला दर्ज

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी। शहर के आनंद होटल के पास एक युवक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। घटना 5 सितंबर 2025 की दोपहर 2:30 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, अश्पाक अब्दुल गनी शेख (26), निवासी शास्त्रीनगर कल्याण रोड, मस्जिद में नमाज पढ़कर घर लौट रहा था। इसी दौरान आरोपी गुफरान कुरेशी (30) अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा और पीड़ित को रोककर गाली-गलौज करते हुए थप्पड़ और घूंसों से मारपीट की। गुफरान ने अश्पाक पर उसके भाई को मारने का आरोप लगाते हुए कहा, ह्लआज मैं तुझे मार रहा हूँ।ह्व पीड़ित के इनकार करने के बावजूद आरोपियों ने हमला जारी रखा। हमले में अश्पाक का जबड़ा टूट गया और उसे गंभीर चोटें आईं। घटना की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने गुन्हा रजि. क्र. 841/2025 भा.न्या. सं. की धारा 352, 117(2), 115(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच का जिम्मा उपनिरीक्षक वाघचौरे को सौंपा गया है। आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

मीरारोड के एमडी ड्रग्स के तार तेलंगाना तक... अपराध शाखा 4 की बड़ी सफलता

भायंदर : मीरारोड में पकड़े गए एमडी ड्रग्स प्रकरण की गहन जांच करते हुए पुलिस ने तेलंगाना के पास एमडी ड्रग्स बनाने वाला कारखाना पकड़ा है। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा 4 ने छापेमारी कर करोड़ों रुपए का माल जब्त किया है और कारखाना मालिक को गिरफ्तार किया गया है। ड्रग्स के मामले में यह एक बड़ी कार्रवाई हैं, जिसको अपराध शाखा ने अंजाम दिया हैं। 8 अगस्त को काशिगांव पुलिस स्टेशन की सीमा में पकड़ी गयी बाग्लादेशी महिला फातिमा मुराद शेख के पास से 105 ग्राम वजन का एमडी ड्रग्स बरामद किया था। महिला के पास बरामद ड्रग्स एवं नगद मिलाकर 23,97,000 किमत की बरामदगी की गयी थी। महिला से मिली जानकारी के आधार पर 10 आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया था। इस महिला से जानकारी प्राप्त हुई की यह ड्रग्स तेलंगाना राज्य से खरीदी जाती हैं। अपराध शाखा 4 को वहां से 5 किलो 790 ग्राम वजन का एमडी डग्स, 35,500 लिटर रसायन एवं 950 किलो पाउडर बरामद किया हैं। इस मामले में अपराध शाखा ने अभी तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार करके इनके पास से 5 किलो 968 ग्राम एमडी ड्रग्स, 27 मोबाइल फोन, 3 चार पहिया वाहन, 1 दो पहिया वाहन, 4 इलेक्ट्रिक वजन कांटा एवं एमडी ड्रग्स बनाने का रसायन बरामद किया हैं।

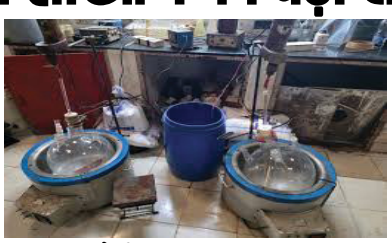

भिवंडी में ईद मिलादुन्नबी पर निकला विशाल जुलूस, अमन-शांति की हुई दुआएं।

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी: ईद मिलादुन्नबी के पावन मौके पर सोमवार को भिवंडी शहर जश्न और रौनक से सराबोर दिखाई दिया। रजा अकादमी भिवंडी की ओर से कोटर गेट मस्जिद से मिल्लतनगर स्थित मामा भांजा प्ले ग्राउंड तक एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें शहरभर से लाखों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह अमन-शांति और भाईचारे की दुआएं की गईं।

जुलूस की शुरूआत कोटर गेट मस्जिद से हुई, जहां स्थानीय नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। जुलूस चांदतारा मस्जिद, पांजरा पुल, वंजारपट्टी नाका होते हुए मदीना मस्जिद पहुंचा। यहां असर की नमाज अदा की गई। इसके बाद नासिक रोड से गुजरते हुए जुलूस मामा भांजा मैदान पहुंचा, जहां दुआओं के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे रास्ते ''हुजूर की आमद मरहबा'' और ''नारे तकबीर अल्लाहु अकबर'' के नारों से शहर गूंज उठा।

इस अवसर पर बरेली शरीफ से आए मुफ्ती मोहम्मद फैज रजा खान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। भिवंडी की सभी सुन्नी मस्जिदों के उलेमा भी बड़ी संख्या में शरीक हुए। कोटर गेट मस्जिद पर बने मंच से विभिन्न धर्मों के जनप्रतिनिधियों ने भी उपस्थित होकर आयोजन की सराहना की। शांतिनगर, गैबीनगर, नवी बस्ती, फंडोले नगर, आजमी नगर, पटेल कंपाउंड, माधवनगर, दरगाह दीवान शाह और ईदगाह इलाके से बड़ी तादाद में लोग जुलूस से जुड़े। रजा अकादमी भिवंडी के अध्यक्ष कुरैशी आवेश रजा और उनकी टीम ने स्वागत व सम्मान का जिम्मा संभाला।

पूरे शहर में जगह-जगह पानी, शरबत और खाने-पीने की वस्तुओं का वितरण किया गया। सुबह से ही मुस्लिम बस्तियों में छोटे-छोटे रैली निकालकर लोग जश्न मनाते नजर आए। वहीं, प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मुंबई मोनोरेल : सुविधाओं की कमी के कारण यात्रियों की सुरक्षा खतरे में;

अधिकांश स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति नहीं की गई

मुंबई : अधिक यात्रियों की भीड़ से मोनोरेल का एक रेक झुकने की घटना सामने आने के बाद भी मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मोनोरेल की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया है। भीड़ नियंत्रण के लिए स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त सुरक्षा रक्षक अब तक नियुक्त नहीं किए गए हैं। कम फेरे और यात्रियों की सुविधाओं की कमी के कारण यात्रियों की सुरक्षा खतरे में है। १९ अगस्त को मैसूर कॉलोनी स्टेशन के पास अधिक यात्रियों की वजह से मोनोरेल का एक रेक झुक गया था। इसमें ५०० से ज्यादा यात्री फंस गए थे। उस घटना के बाद एमएमआरडीए से मोनोरेल सेवा को सुरक्षित बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने की उम्मीद थी। लेकिन घटना को दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी एमएमआरडीए प्रशासन सुरक्षा के मामले में लापरवाह ही बना हुआ है। अधिकांश स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति नहीं की गई है।

पिछले दस दिनों में बड़ी संख्या में गणेशभक्तों ने चेंबूर से दक्षिण मुंबई तक मोनोरेल से यात्रा की। संभावित भीड़ को देखते हुए भी एमएमआरडीए ने सुरक्षा पर गंभीरता नहीं दिखाई। इस पर नियमित यात्रियों ने नाराजगी जताई। 'मैसूर कॉलोनी की घटना के बावजूद प्रशासन सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहा है। इस कारण हमें हमेशा यात्रा के दौरान डर लगा रहता है,' ऐसा एक यात्री ने कहा। दक्षिण मुंबई का मोनोरेल का लोअर परेल स्टेशन सबसे भीड़ वाले स्टेशनों में से एक है। यहां से पश्चिम और मध्य रेलवे तक जाने वाले यात्रियों की आवाजाही रहती है।

मुंबई और उपनगरों के लाखों यात्रियों को राहत देने वाला पनवेल-बोरीवली-वसई लोकल ट्रेन कॉरिडोर...

मुंबई : मुंबई और उपनगरों के लाखों यात्रियों को राहत देने वाला पनवेल-बोरीवली-वसई लोकल ट्रेन कॉरिडोर अब हकीकत बनने जा रहा है। लंबे समय से लंबित इस परियोजना को हाल ही में कैबिनेट इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी की बैठक में मंजूरी दे दी गई। यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट -३इ के अंतर्गत विकसित होगा।

क्या है परियोजना

यह उपनगरीय लोकल कॉरिडोर 69.23 किलोमीटर लंबा होगा और इसकी अनुमानित लागत 12,710 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। यह मार्ग पनवेल से शुरू होकर वसई होते हुए बोरीवली और विरार तक पहुंचेगा। इस लाइन पर कुल 19 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें भिवंडी रोड, नवी डोंबिवली, कोपर, तलोजा पानचंद, कलंबोली और बोरीवली जैसे स्टेशन शामिल होंगे।

मुंबईकरों को मिलेगी बड़ी राहत

अभी तक नवी मुंबई (पनवेल) से बोरीवली या वसई जाने वाले यात्रियों को कुर्ला या वडाला तक आकर लोकल ट्रेन बदलनी पड़ती थी। नए कॉरिडोर से यह परेशानी खत्म हो जाएगी और सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे रोजाना पश्चिम मुंबई में कामकाज के लिए आने-जाने वाले यात्रियों का समय बचेगा। पश्चिमी उपनगरों के यात्रियों के लिए भी यह मार्ग बहुत फायदेमंद होगा, क्योंकि अब वे पनवेल से सीधे गोवा या पुणे जाने वाली लंबी दूसरी की ट्रेनें भी पकड़ सकेंगे।

भिवंडी और पलावा को भी बड़ा फायदा

इस लोकल ट्रेन के नए कॉरिडोर से लूम पॉवर इंडस्ट्री के नाम से पहचान रखने वाले भिवंडी शहर को अब नवी मुंबई और पश्चिम मुंबई से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे भिवंडी के विकास को नई दिशा मिलेगी। शिलफाटा रोड पर स्थित पलावा, रुनवाल सिटी जैसी बड़ी आवासीय परियोजनाओं के निवासियों को भी इस रेल मार्ग से राहत मिलेगी। उन्हें सीधे बोरीवली और वसई तक तो दूसरी ओर पनवेल तक आसान पहुंच मिलेगी। यह परियोजना पूरी होने के बाद मुंबई की उपनगरीय रेल सेवाओं में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

कल्याण : बस दुर्घटनाग्रस्त; छह यात्रियों को मामूली चोटें

कल्याण : कल्याण बस डिपो से अलेफाटा की ओर जा रही एक बस रविवार सुबह सरलगांव रोड पर मुरबाद के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जब उसका स्टीयरिंग रॉड टूट गया, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया। यह घटना सुबह करीब 9:00 बजे हुई जब 25 यात्रियों को ले जा रही बस सड़क से उतर गई, सड़क किनारे झाड़ियों से गुजरी और एक पेड़ से टकरा गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, छह यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जबकि चालक को भी चोट आई। सभी घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, जैसा कि हाल के महीनों में कल्याण डिपो की बस से जुड़ी यह दूसरी घटना है।

अभी दो महीने पहले ही कल्याण-मुरबाद रोड पर गोवेली के पास एक चलती बस का अगला पहिया निकल गया था, जिससे बस फिसल कर रुक गई थी। उस दुर्घटना में भी कुछ यात्री मामूली रूप से घायल हुए थे। कुछ लोग कार्यशाला की स्थिति की पूरी जाँच की माँग कर रहे हैं, जिसमें तकनीकी समस्याओं या कर्मचारियों की कमी की भी जाँच शामिल है, जैसा कि बताया गया है। कल्याण में हुई एक अन्य दुर्घटना में, 43 वर्षीय डिलीवरी एक्जीक्यूटिव, विश्वनाथ ठोके, की गुरुवार रात भिवंडी के मनकोली ब्रिज के पास एक तेज रफ़्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई।

वसई-विरार में जर्जर इमारतों में रह रहे हैं 90,000 से ज्यादा लोग

मुंबई : वसई-विरार में कुल २२० इमारतें जर्जर अवस्था में हैं, लेकिन उन्हें खाली नहीं कराया जा रहा है और न ही ध्वस्त किया जा रहा है क्योंकि महानगरपालिका के अधिकारियों के पास निवासियों के पुनर्वास के लिए कोई कारगर योजना ही नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार, अभी भी वसई-विरार में १०,००० से ज्यादा लोग जर्जर इमारतों में रह रहे हैं। महानगरपालिका के आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी ने बताया कि महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में २२० इमारतें सीआई श्रेणी में आती हैं, जिसका

अर्थ है कि जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें खाली करके ध्वस्त किया जाना चाहिए। इन ढांचों में रहने वाले हजारों लोगों का पुनर्वास हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है। मानसून के करीब आते ही महानगरपालिका के अधिकारी हरकत में आ जाते हैं। वे पुरानी और जर्जर इमारतों के संरचनात्मक ऑडिट के लिए नोटिस जारी करते हैं, बॉक्स पर निशान लगाते हैं और रिपोर्ट्स जारी करते है, लेकिन इमारतों पर सी (खतरनाक) या सी२ (बड़ी मरम्मत की जरूरत) का टैग लगाने के बाद ठप पड़ जाती है।

अधिकारियों की कृपा से अवैध काम

अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद वसई-विरार में अवैध निर्माण धड़ल्ले से हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, बिल्डर-राजनेता और कुछ अधिकारी अनधिकृत इमारतों को मंजूरी देकर करोड़ों कमा रहे हैं और सुरक्षा उल्लंघनों पर आंखें मूंद रखे हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा कि निवासी खतरनाक घरों में फंसे हुए हैं, जबकि धोखेबाज डेवलपर्स मुनाफा लेकर गायब हो जाते हैं।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani